पश्चिमी अफ्रीका की लोक कथाऐं–2

घाना, माली, मौरिटैनिया, नाइजर, नाइजीरिया, सेनेगल, सियरा लियोन, टोगो

संकलनकर्ता
सुषमा गुप्ता

Book Title: Pashchimi Africa ki Lok Kathayen-2 (Folktales of West Africa-2)
Cover Page picture: Palm Fruit Tree
Published Under the Auspices of Akhil Bhartiya Sahityalok

E-Mail: sushmajee@yahoo.com
Website: www.sushmajee.com/folktales/index-folktales.htm
Read More such stories at: www.scribd.com/sushma_gupta_1

Copyrighted by Sushma Gupta 2018
No portion of this book may be reproduced or stored in a retrieval system or transmitted in any form, by any means, mechanical, electronic, photocopying, recording, or otherwise, without written permission from the author.

Map of West Africa

West Africa – 16 Countries
(1) Benin, (2) Burkina Faso, (3) Cape Verde, (4) Gambia, (5) Guinea, (6) Guinea Bissau, (7) Ivory Coast, (8) Liberia, (9) Ghana, (10) Mali, (11) Mauritania, (12) Niger, (13) Nigeria, (14) Senegal, (15) Sierra Leone, (16) Togo.
Ghana and Nigeria's folktales are given separately.

विंडसर, कैनेडा

फरवरी 2018

Contents

सीरीज़ की भूमिका 4

पश्चिमी अफ्रीका की लोक कथाऐं–2 5

1 दुनियॉ का जन्म 7

2 जादुई सेमल का पेड़ 13

3 केवल तुम्हारे कानों के लिये 26

4 तीन आश्चर्यजनक लड़के 37

5 सबसे बड़ा चोर कौन 40

सीरीज़ की भूमिका

लोक कथाऐं किसी भी समाज की संस्कृति का एक अटूट हिस्सा होती हैं। ये संसार को उस समाज के बारे में बताती हैं जिसकी वे लोक कथाऐं हैं। आज से बहुत साल पहले, करीब 100 साल पहले, ये लोक कथाऐं केवल ज़बानी ही कही जातीं थीं और कह सुन कर ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दी जाती थीं इसलिये किसी भी लोक कथा का मूल रूप क्या रहा होगा यह कहना मुश्किल है।

आज हम ऐसी ही कुछ अंग्रेजी और कुछ दूसरी भाषा बोलने वाले देशों की लोक कथाऐं अपने हिन्दी भाषा बोलने वाले समाज तक पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से बहुत सारी लोक कथाऐं हमने अंग्रेजी की किताबों से, कुछ विश्वविद्यालयों में दी गयी थीसेज़ से, और कुछ पत्रिकाओं से ली हैं और कुछ लोगों से सुन कर भी लिखी हैं। अब तक 1200 से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी हैं। इनमें से 400 से भी अधिक लोक कथाऐं तो केवल अफ्रीका के देशों की ही हैं।

इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि ये सब लोक कथाऐं हर वह आदमी पढ़ सके जो थोड़ी सी भी हिन्दी पढ़ना जानता हो और उसे समझता हो। ये कथाऐं यहाँ तो सरल भाषा में लिखी गयी है पर इनको हिन्दी में लिखने में कई समस्याऐं आयी है जिनमें से दो समस्याऐं मुख्य हैं।

एक तो यह कि करीब करीब 95 प्रतिशत विदेशी नामों को हिन्दी में लिखना बहुत मुश्किल है चाहे वे आदमियों के हों या फिर जगहों के। दूसरे उनका उच्चारण भी बहुत ही अलग तरीके का होता है। कोई कुछ बोलता है तो कोई कुछ। इसको साफ करने के लिये इस सीरीज़ की सब किताबों में फुटनोट्स में उनको अंग्रेजी में लिख दिया गया हैं ताकि कोई भी उनको अंग्रेजी के शब्दों की सहायता से कहीं भी खोज सके। इसके अलावा और भी बहुत सारे शब्द जो हमारे भारत के लोगों के लिये नये हैं उनको भी फुटनोट्स और चित्रों द्वारा समझाया गया है।

ये सब कथाऐं "देश विदेश की लोक कथाऐं" नाम की सीरीज के अन्तर्गत छापी जा रही हैं। ये लोक कथाऐं आप सबका मनोरंजन तो करेंगी ही साथ में दूसरे देशों की संस्कृति के बारे में भी जानकारी देंगी। आशा है कि हिन्दी साहित्य जगत में इनका भव्य स्वागत होगा।

सुषमा गुप्ता
मई 2018

पश्चिमी अफ्रीका की लोक कथाऐं–2

संसार में सात महाद्वीप हैं – एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, अन्टार्कटिका, यूरोप और आस्ट्रेलिया – सबसे पहले सबसे बड़ा और सबसे बाद में सबसे छोटा। साइज़ में और जन संख्या दोनों में अफ्रीका एशिया से दूसरे नम्बर पर आता है। अफ्रीका की जनसंख्या 1 बिलियन से ज़्यादा है और उनमें से भी इसमें 50 प्रतिशत जनता 20 साल की उम्र से कम की है। इस तरह से यह दुनियॉ का सबसे ज़्यादा जवानों का महाद्वीप है।

इसमें 54 देश हैं। मिश्र, इथियोपिया, यूगान्डा, केन्या, तन्ज़ानिया, दक्षिण अफ्रीका, ज़िम्बाव्वे और नाइजीरिया यहॉ के जाने माने देशों में आते है। बहुत बड़ा होने की वजह से इसमें पूर्व से ले कर पश्चिम तक और उत्तर से ले कर दक्षिण तक बहुत भिन्नता है – खाने में, पीने में, पहनने में, रहने सहने में, लोगों की शक्लों में। पर एक बात सबमें एक सी है कि यहॉ के बहुत सारे देश फुटबाल खेलते हैं। यहॉ की जनसंख्या में ईसाई और मुसलमान करीब करीब आधे आधे हैं।

इस महाद्वीप का अपना लिखा साहित्य और इसके बारे में लिखा साहित्य और दूसरे महाद्वीपों की तुलना में बहुत कम मिलता है इसी वजह से हमने इस महाद्वीप की लोक कथाऐं हिन्दी भाषा में प्रस्तुत करने का विचार किया है। अफ्रीका के 54 देशों में से केवल कुछ ही देशों की ही लोक कथाऐं ज़्यादा मिलती हैं – नाइजीरिया, घाना, तनज़ानिया, दक्षिणी अफ्रीका, इथियोपिया आदि। इसलिये इन देशों की लोक कथाए इन देशों के नाम से ही दी गयीं हैं। फिर भी इस महाद्वीप से हमने 400 से भी अधिक लोक कथाऐं इकट्ठी की हैं। ये सभी लोक कथाऐं "देश विदेश की लोक कथाऐं" नाम की सीरीज़ में प्रकाशित की जा रही हैं।

इस पुस्तक में पश्चिमी अफ्रीका इनमें नाइजीरिया और घाना की लोक कथाऐं शामिल नहीं की गयीं हैं क्योंकि वहॉ की अपनी कथाऐं इतनी अधिक हैं कि उनको अलग से ही प्रकाशित किया गया है। दूसरे देशों की लोक कथाऐं तो और भी कम है। इसके अलावा नाइजीरिया और घाना देशों की लोक कथाऐं और वहॉ के अनन्सी मकड़े, खरगोश और कछुए आदि जानवरों की लोक कथाऐं भी अलग से ही दी गयीं है।

यहॉ की बहुत सारी लोक कथाऐं ऐसी मिलती हैं जिनके देशों का नाम नहीं दिया गया है इसलिये वे सब लोक कथाऐं "अफ्रीका की लोक कथाऐं" के अन्तर्गत दी गयी हैं। दूसरी वे लोक कथाऐं हैं जिनके देशों के नाम तो पता हैं पर वे इतनी कम हैं कि उनको किसी एक देश के नाम के अन्तर्गत नहीं छापा जा सकता। वे सारी लोक कथाऐं पश्चिमी अफ्रीका, पूर्वी अफ्रीका और दक्षिणी अफ्रीका आदि के नाम से प्रकाशित की गयी हैं।

सब देशों की अपनी अपनी लोक कथाऐं है और अपनी अपनी दंत कथाऐं हैं। उदाहरण के लिये योरुबा दंत कथाओं के अनुसार दुनियॉ का पहला आदमी नाइजीरिया के एक शहर इले–इफे में पैदा हुआ था इसलिये दुनियॉ यहीं से शुरू होती है और यहॉ की सभ्यता दुनियॉ की हर सभ्यता से पुरानी है। उधर इथियोपिया में करीब साढ़े तीन मिलियन साल पुराना एक ढॉचा ऐसा मिला है जिससे ऐसा लगता कि दुनियॉ का सबसे पुराना आदमी यहीं था। मिश्र के पिरामिडों को कौन नहीं जानता।

पश्चिमी अफ्रीका में **16** देश आते हैं। इनकी लोक कथाओं का पहला संकलन[1] हम पहले ही प्रकाशित कर चुके हैं। अब यह दूसरा संकलन प्रकाशित किया जा रहा है। हमें पूरा विश्वास है कि ये लोक कथाऐं भी तुम सब लोगों को इसके पहले संकलन की तरह से बहुत पसन्द आयेंगी और पश्चिमी अफ्रीका के बारे में कुछ जानकारी देंगी।

सो प्रस्तुत है तुम सबके हाथों में यह पश्चिमी अफ्रीका की लोक कथाओं का यह दूसरा संकलन – "पश्चिमी अफ्रीका की लोक कथाऐं–**2**"। इसमें बहुत सारी कथाऐं एक पुस्तक[2] से ली गयी हैं।

संसार के सात महाद्वीप

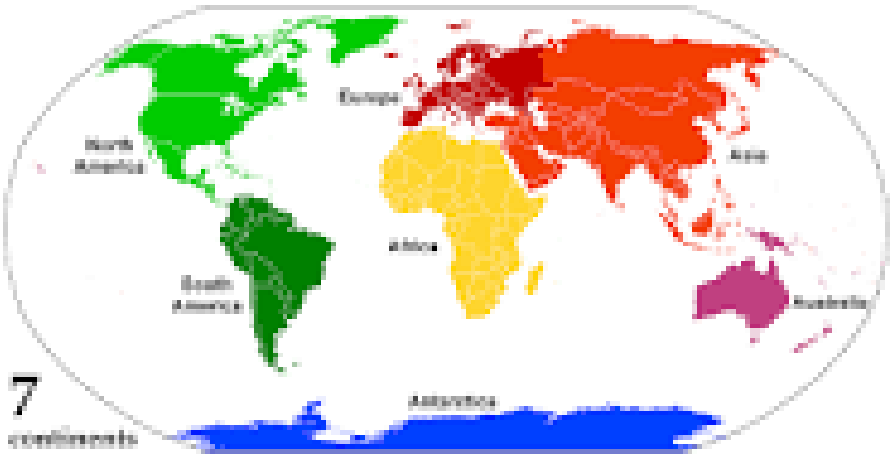

[1] "Pashchimee Africa Ki Lok kathayen-1" by Sushma Gupta in Hindi language

[2] Adapted from the Book "The Orphan Girl and the Other Stories", by Offodile Buchi. 2011

1 दुनियॉ का जन्म[3]

यह लोक कथा पश्चिमी अफ्रीका के माली देश की लोक कथाओं से ली गयी है।

शुरू शुरू में यह सारी दुनियॉ दूध का एक समुद्र थी और भगवान अपनी बनायी चीज़ से सन्तुष्ट था। सो दुनियॉ में केवल दूध का समुद्र था और बादल थे।

पर क्योंकि स्वर्ग और धरती में कोई अन्तर नहीं था सो भगवान ने चाहा कि वह अपनी इस दुनियॉ में कुछ रंगीनी लाये। वह बोला — "दूध से पौधे और पत्थर पैदा हो जायें।" और दूध से पौधे और पत्थर पैदा हो गये।

सो शुरू में भगवान ने दूध बनाया
फिर उसने दुनियॉ को रंगीन बनाने के लिये पौधे और पत्थर बनाये।

पर पत्थर दूध और पौधों के लिये बहुत ही सख्त थे सो उसने उनको दबा कर चौरस कर दिया। भगवान अब पत्थर के मुकाबले कुछ और ज़्यादा मजबूत चीज़ बनाना चाहता था।

सो वह बोला — "पत्थर से लोहा पैदा हो जाये।"

---

[3] The Origin of Creation – a Fulani folktale from Mali, West Africa. Adapted from the Book : "The Orphan Girl and the Other Stories, by Offodile Buchi. 2011
[My Note: This is strange that this folktale is from Fulani people. Fulani people are Muslims and they say in this tale that "God gave us His son." – means that "He gave us Jesus Christ". How could they say this?]

और पत्थर से लोहा पैदा हो गया।

सो शुरू में भगवान ने दूध बनाया
फिर उसने दुनियॉ को रंगीन बनाने के लिये पौधे और पत्थर बनाये।
फिर उसने पत्थर को रोकने के लिये लोहा बनाया

लोहा जैसा कि तुम जानते हो पत्थर के लिये बहुत ही ज़्यादा सख्त हो गया था। अब उसको किसी और ज़्यादा ताकतवर चीज़ की जरूरत थी जो उसको काबू में रख सके सो उसने आग बनायी।

वह बोला — "आग बन जा।" और आग बन गयी।

सो शुरू में भगवान ने दूध बनाया
फिर उसने दुनियॉ को रंगीन बनाने के लिये पौधे और पत्थर बनाये।
फिर उसने पत्थर को रोकने के लिये लोहा बनाया
पर लोहा पत्थर के लिये बहुत ज़्यादा मजबूत था सो उसने आग बनायी

बहुत जल्दी ही आग चारों तरफ फैलने लगी और रुक ही नहीं पायी। जो कुछ भी उसके रास्ते में आता गुस्से में आ कर वह उस सबको जला देती।

सो भगवान ने उसको रोकने के लिये पानी बनाया, उसने कहा — "पानी बन जा।" और पानी प्रगट हो गया जिसने आग के गुस्से को रोका —

सो शुरू में भगवान ने दूध बनाया
फिर उसने दुनियॉ को रंगीन बनाने के लिये पौधे और पत्थर बनाये।
फिर उसने पत्थर को रोकने के लिये लोहा बनाया

पर लोहा पत्थर के लिये बहुत ज़्यादा मजबूत था सो उसने आग बनायी
और फिर आग को रोकने के लिये पानी बनाया

"पानी पानी, तुमने बरसने से क्यों मना कर दिया? क्योंकि मैंने तुमको आग को रोकने के लिये ही बनाया है इसलिये तुम बस लगातार पड़ते ही रहो।"

पर उससे तो बाढ़ आने लगी सो पानी को रोकने के लिये भगवान ने फिर सूरज बनाया।

सो शुरू में भगवान ने दूध बनाया
फिर उसने दुनियॉ को रंगीन बनाने के लिये पौधे और पत्थर बनाये।
फिर उसने पत्थर को रोकने के लिये लोहा बनाया
पर लोहा पत्थर के लिये बहुत ज़्यादा मजबूत था सो उसने आग बनायी

और फिर आग को रोकने के लिये पानी बनाया
और फिर आया सूरज पानी को रोकने के लिये

फिर भगवान ने सोचा — "मैंने बहुत सारी चीज़ें बनायीं अब मुझे आराम की जरूरत है। पर उससे पहले मुझे एक चौकीदार की जरूरत है जो मेरी बनायी हुई इन सब चीज़ों पर निगाह रख सके।"

भगवान ने यह सोचते हुए आदमी बनाया और यह भी सोचा कि उसको मेरी ही शक्ल का होना चाहिये ताकि वे सब उसकी सुन सकें।

सो शुरू में भगवान ने दूध बनाया
फिर उसने दुनियॉ को रंगीन बनाने के लिये पौधे और पत्थर बनाये।

फिर उसने पत्थर को रोकने के लिये लोहा बनाया
पर लोहा पत्थर के लिये बहुत ज़्यादा मजबूत था सो उसने आग बनायी

और फिर आग को रोकने के लिये पानी बनाया
और फिर आया सूरज पानी को रोकने के लिये
और फिर उसने दिया आदमी जो उसकी दुनियॉ पर राज कर सके

पर आदमी को घमंड हो गया और उसने दुनियॉ पर बड़े बेरहम ढंग से राज करना शुरू कर दिया।

सो आदमी को झुकाने के लिये भगवान ने बहुत सारे दुख बनाये। आदमी तब से ही उनसे लड़ने की कोशिश कर रहा है – बीमारियॉ, भूख, चिन्ता, जलन से लड़ते लड़ते वह बहुत कमजोर हो गया है।

पर बाद में ये दुख भी अपने आप में बहुत घमंडी हो गये कि हम तो आदमी को भी अपने कब्जे में रखते हैं।

सो भगवान ने फिर मौत बनायी जिसने उन दुखों को जीता और उसके साथ ही जीता आदमी को भी।

सो शुरू में भगवान ने दूध बनाया
फिर उसने दुनियॉ को रंगीन बनाने के लिये पौधे और पत्थर बनाये।
फिर उसने पत्थर को रोकने के लिये लोहा बनाया
पर लोहा पत्थर के लिये बहुत ज़्यादा मजबूत था सो उसने आग बनायी

और फिर आग को रोकने के लिये पानी बनाया
और फिर आया सूरज पानी को रोकने के लिये

फिर उसने आदमी दिया अपनी बनायी हुई चीज़ों के ऊपर राज करने के लिये
पर आदमी घमंडी हो गया और बेरहमी से राज करने लगा

सो भगवान ने आदमी को नम्र बनाने के लिये दुख बनाये
और आखीर में बनायी मौत दुखों को और आदमी को काबू में रखने के लिये
पर मौत ने तो उन सारे आदमियों को मार डाला जो भी उसके रास्ते में आया
और इस तरह उसने आदमी को भी दुनियॉ से हटा दिया

हालॉकि भगवान यह नहीं चाहता था कि वह आदमी को अपनी दुनियॉ से बिल्कुल ही हटा दे क्योंकि उसको तो उसने अपनी शक्ल का बनाया था सो वह बोला — "मुझे अब कुछ खास बनाना चाहिये। एक ऐसा आदमी जो मौत को जीत सके सो उसने अपना बेटा इस दुनियॉ में भेजा —

सो शुरू में भगवान ने दूध बनाया
फिर उसने दुनियॉ को रंगीन बनाने के लिये पौधे और पत्थर बनाये।

फिर उसने पत्थर को रोकने के लिये लोहा बनाया
पर लोहा पत्थर के लिये बहुत ज़्यादा मजबूत था सो उसने आग बनायी
और फिर आग को रोकने के लिये पानी बनाया
और फिर आया सूरज पानी को रोकने के लिये

फिर उसने आदमी दिया अपनी बनायी हुई चीज़ों के ऊपर राज करने के लिये
पर आदमी घमंडी हो गया और बेरहमी से राज करने लगा
सो भगवान ने आदमी को नम्र बनाने के लिये दुख बनाये
और आखीर में बनायी मौत दुखों को और आदमी को काबू में रखने के लिये

पर मौत ने तो उन सारे आदमियों को मार डाला जो भी उसके रास्ते में आया
और इस तरह उसने आदमी को भी दुनियॉ से हटा दिया
सो भगवान ने इस दुनियॉ में अपना बेटा भेजा जिसने मौत को भी जीत लिया

2 जादुई सेमल का पेड़[4]

यह लोक कथा पश्चिमी अफ्रीका के मौरिटैनिया देश की लोक कथाओं से ली गयी है।

एक बार की बात है कि एक आदमी अपनी दो पत्नियों के साथ रहता था। उसकी पहली पत्नी के कोई बच्चा नहीं था और दूसरी पत्नी के दो बच्चे थे और तीसरे बच्चे की उसको आशा थी।

हालॉकि उसकी पहली पत्नी अपनी सौत से बहुत जलती थी पर उसको यकीन था कि एक दिन उसके भी अपना बच्चा होगा।

वह सोचती थी कि अभी तो मैं जवान हूँ और क्योंकि उसकी सौत के दो लड़कियॉ ही थीं उसकी बहुत इच्छा थी कि उसके पहला बच्चा लड़का हो। पर उसकी बदकिस्मती से जब उसकी सौत के तीसरा बच्चा हुआ तो वह लड़का था।

एक दिन उसने सोचा — "मेरी क्या इच्छा थी और क्या हो गया। मेरे लिये तो यही बहुत बुरी बात थी कि उसके बच्चे हैं पर यह तो और भी बुरा हो गया कि उसके लड़का पहले हो गया और मैं ऐसे ही रह गयी। अब मेरा पति उसको और ज़्यादा प्यार करेगा।"

[4] The Magic Silk Cotton Tree – a Wolof folktale from Mauritania, West Africa.
Adapted from the Book : "The Orphan Girl and the Other Stories", by Offodile Buchi. 2001.

इस बच्चे के जन्म के बाद पहली पत्नी अपनी सौत को नीचा दिखाने का तरीका सोचने लगी। हालॉकि उसने कई तरीके सोचे पर उसका कोई तरीका काम नहीं कर रहा था।

उसने सोचा — "क्योंकि केवल इस लड़के की ही वजह से वह मेरे पति का प्यार पायेगी इसलिये मुझे उस लड़के को ही मार देना चाहिये।"

एक दिन जब वह दूसरी पत्नी अपने बच्चे की तरफ नहीं देख रही थी तो पहली पत्नी ने उसके बच्चे को वहॉ से चुराया और उसको एक उथली कब्र में ज़िन्दा ही गाड़ दिया।

जब वह बच्चे को गाड़ रही थी एक जंगली बतख खाने की खोज में ऊपर उड़ रही थी। उस बतख ने देख लिया कि वह औरत क्या कर रही थी।

जैसे ही वह औरत वहॉ से गयी तो वह बतख नीचे उतरी उसने बच्चे को कब्र में से निकाला और वह उस बच्चे को अपने घोंसले में ले गयी जो एक नदी के किनारे एक सेमल के पेड़[5] के ऊपर था।

बतख उस बच्चे को जंगली बेर खिलाती, उसके लिये नदी से पानी लाती और लोगों के घरों के ऑगन से खाना ले कर आती।

[5] Translated for the words "Silk Cotton Tree". Silk Cotton tree gives silk cotton type cottonwool that is why it is called as silk cotton tree. It is a kind of cottonwool except that it is very soft. See its picture above.

दो साल बाद वह बच्चा बहुत ही सुन्दर घुटनों चलने वाला बच्चा हो गया।

बतख और बच्चा दोनों ही उस सेमल के पेड़ पर रहते हुए बहुत खुश थे। यह पेड़ गॉव से काफी दूर पर था सो इस लड़के ने दो साल तक किसी आदमी की शक्ल ही नहीं देखी थी।

एक दिन एक शिकारी शिकार खेलता खेलता उधर आ निकला और उस सेमल के पेड़ तक आ पहुॅचा।

उसने देखा कि उस सेमल के पेड़ पर एक बन्दर जैसा कोई बैठा हुआ था सो उसने अपना तीर कमान निकाला और उसकी तरफ निशाना साधा और तीर चलाने ही वाला था कि उसको अपने शिकार में कुछ अजीब सा दिखायी दिया।

उसने अपना हाथ रोक लिया और उस शिकार को ध्यान से देखा। उसको बहुत ही आश्चर्य हुआ जब उसने उसको ध्यान से देखा – कि वह कोई बन्दर नहीं था वह तो एक छोटा सा लड़का था।

उसने अपनी ऑखें छोटी करके उसको और ज़्यादा अच्छी तरह से देखने की कोशिश की। उसने अपनी ऑखों पर हाथ रख कर भी देखने की कोशिश की पर यह सब करने के बाद भी वह एक ही नतीजे पर पहुॅचा कि वह बन्दर नहीं बल्कि एक आदमी का बच्चा था।

वह बोला — "भगवान का लाख लाख धन्यवाद है कि मैं एक आदमी का खून करने से बच गया। मेरा कौन विश्वास करेगा कि इसके जितना एक छोटा बच्चा इस जंगल में इतने ऊँचे पेड़ पर अकेला चढ़ा हुआ था।"

एक पल को तो उसने सोचा कि वह क्या करे। यह तो बहुत ही बुरा होता अगर वह किसी आदमी को मार देता पर यह तो उससे भी बुरा होता अगर वह किसी ऐसे बच्चे को मार देता जो अपनी रक्षा अपने आप न कर सकता हो।

उसने एक बार फिर से ऐसे आदमी की सजा के बारे में विचार किया जिसने किसी ऐसे आदमी को मारा हो जो अपनी रक्षा न कर सकता हो, जैसे किसी परदेस में देश निकाला मिलने की उम्मीद वाला आदमी, शरम वाला आदमी, आदि आदि।

जंगली बतख अपने घोंसले की रक्षा करने के लिये उस शिकारी की तरफ कूद लगाते हुई बोली — "क्वैक, क्वैक, क्वैक।" बतख से बचने के लिये शिकारी नीचे झुक गया।

जब वह अपने तीर कमान के साथ सँभल गया और बतख भी वहाँ से चली गयी तो उसने उस बच्चे को बचाने के लिये उस पेड़ पर चढ़ना शुरू किया। पर उस पेड़ का तना केवल उस तने को पकड़ कर पेड़ पर चढ़ने के लिये बहुत लम्बा था।

फिर उसने पेड़ के नीचे से खड़े खड़े ही बच्चे से बात करनी चाही पर वह तो शिकारी की कोई बात समझ ही नहीं पा रहा था।

इसलिये वह शिकारी तुरन्त ही गॉव के सरदार को यह बताने के लिये भागा कि उसने जंगल में क्या देखा।

सरदार बोला — "तुरन्त ही बोलने वाले ढोलों[6] को हुकुम दो कि कल सुबह सब लोग बाजार के मैदान में जमा हों।"

अगली सुबह बहुत जल्दी ही सारे गॉव वाले बाजार वाले मैदान में जमा हो गये। गॉव वाले समझ गये कि मामला जरूर बहुत ही संगीन होगा तभी सरदार ने उनको इतनी जल्दी में और बिना किसी चेतावनी के बुलाया है।

एक गॉव वाले ने अपने पड़ोसी से पूछा — "क्या बात है?"

पड़ोसी बोला — "सुना है कि एक शिकारी सरदार के पास आया था और कोई खबर ले कर आया था।"

उसी गॉव वाले ने फिर पूछा — "कैसी खबर?"

पड़ोसी बोला — "यह तो पता नहीं। पर जो लोग वहॉ थे वे कह रहे थे कि जैसे ही उस सरदार को वह खबर मिली वह चिल्लाया — "हे भगवान, मेरी ऑखों को मेरे कान मत देखने दो जब तक कि मैं उनको अपनी परछाई में न देखूँ।"

गॉव वाला बोला — "तब तो मामला कुछ संगीन सा ही लगता है।"

[6] Talking drums - one of a set of West African drums, each having a different pitch, that are beaten to transmit a tonal language in African societies.

अगले दिन गॉव के लोग जब वहॉ इकट्ठा हो गये, तो पहले तो सरदार ने उस शिकारी को गॉव वालों से मिलवाया जिसको उसने जबसे वह वह खबर ले कर आया था अपने महल में ही बन्द कर रखा था।

फिर वह सबसे बोला — "तुम सब लोग मूसा शिकारी[7] को तो जानते ही हो। वह कहता है कि उसने एक छोटा लड़का सेमल के एक पेड़ के ऊपर एक घोंसले में बैठा देखा है।

वह यह तो नहीं जानता कि वह वहॉ कैसे पहुॅचा। उसने उससे बात भी करने की कोशिश की पर एक बहुत बड़ी बतख ने उसको वहॉ से भगा दिया। क्या तुममें से किसी ने उस बच्चे को वहॉ उस पेड़ के ऊपर रखा है?"

यह सुन कर सब गॉव वालों कानाफूसी की एक लहर सी दौड़ गयी। हर आदमी अपने पास खड़े आदमी से पूछ रहा था कि क्या वह उस बारे में कुछ जानता था। कुछ पल बाद सरदार बोला कि वह इस भेद तक जरूर जायेगा कि किसने ऐसा किया है।

फिर उसने एक छोटी सी मीटिंग के लिये गॉव के बड़े लोगों को बुलाया और उस मीटिंग के बाद उसने फिर गॉव वालों से कहा — "जैसा कि मैं कह रहा था कि मैंने यह पक्का कर लिया है कि मैं यह जान कर ही रहूॅगा कि ऐसा किसने किया।

[7] Musa hunter – Musa is a Muslim name of a man

क्योंकि वह सेमल का पेड़ किसी भी आदमी के चढ़ने के लिये बहुत ऊँचा और बड़ा है इसलिये हम उसको काट देंगे।"

एक आदमी ने अपने पास खड़े आदमी से कहा — "यह तो नामुमकिन है। मैंने सुना है कि वह पेड़ इतना बड़ा है उसको काटने के लिये चार बाजार हफ्ते[8] लग जायेंगे।"

उस पास खड़े आदमी ने उसको समझाया — "चिन्ता न करो, कोई पेड़ इतना बड़ा नहीं होता जिसको काटने में इतना समय लग जाये। अल्हाजी बैलू[9] को बुलाओ और उसको उसके पैसे दो। वह उस पेड़ को दोपहर से पहले ही काट कर गिरा देगा।

मैंने सुना है कि उसके पास एक जादू की कुल्हाड़ी है और बहुत तेज़ बड़े चाकू[10] हैं जिनसे वह अपनी दाढ़ी बनाता है।"

पहले आदमी ने कहा — "यही नहीं। मैंने तो सुना है कि उसको तो अपने वे कुल्हाड़ी और बड़े चाकू को चलाने की भी जरूरत नहीं पड़ती, वे अपने आप ही काटते रहते हैं।"

---

[8] Four market weeks – in villages markets are organized daily or weekly, so four market weeks means just four weeks.

[9] Alhaji Bello – In West African countries Muslims who had completed Haj successfully are called Alhaji, and Bello is his name

[10] Translated for the word "Matchet" – Matchets are the big large knives, with about 2-2 1/2 feet long blade which Africans use to cut grass. See its picture above.

जैसे ये दो आदमी बैलू के बारे में बात कर रहे थे, सरदार ने अल्हाजी बैलू को बुलाया और उसको नौ अच्छे मजबूत आदमी दिये। फिर उसने उनको खूब अच्छे पैसे दिये और उनको उस सेमल के पेड़ को काटने के लिये और उस बच्चे को वहॉ से लाने के लिये कहा।

उसने अल्हाजी बैलू और उसके आदमियों से यह भी कहा — "तुम लोग शान्ति से जाओ। हम तुम लोगों से मिल कर सेमल के पेड़ पर बैठे उस लड़के के वहॉ होने के राज़ को हल कर लेंगे।

हम पता कर लेंगे कि उसके माता पिता कौन हैं जिन्होंने उस लड़के को उस पेड़ पर रख कर अल्लाह को बदनाम किया है।"

सो अगली सुबह जल्दी ही अल्हाजी बैलू और उसके नौ आदमी नदी की तरफ चल दिये। वे जब उस पेड़ के पास पहुॅचे तो उन्होंने देखा कि जैसा कि शिकारी ने सरदार को बताया था वह लड़का उसी तरह से उस सेमल के पेड़ पर बैठा हुआ है।

वे सब तुरन्त ही अपने काम पर लग गये और उन्होंने पेड़ काटना शुरू कर दिया। उन्होंने वह पेड़ उतना काट दिया जब तक कि बहुत ही छोटा सा हिस्सा उस पेड़ को खड़ा रखने के लिये जरूरी रह गया था। अल्हाजी बैलू को यकीन था कि जैसे ही उसने अपनी तेज़ कुल्हाड़ी एक बार और मारी तो वह पेड़ गिर पड़ेगा।

उसने पेड़ को इधर उधर से जॉचा कि अब वह पेड़ किधर की तरफ गिरेगा। फिर उसने अपने आदमियों को सुरक्षित खड़ा किया

और उसके बाद सारी सावधानी बरतने के बाद उसने अपनी आखिरी कुल्हाड़ी मारी। तभी उस लड़के ने गाया —

क्वैक क्वैक, ओ मॉ बतख, यह तुम्हारा बच्चा है
क्वैक, यह सेमल का पेड़ पतला होता जा रहा है
क्वैक, यह गिरने वाला है
क्वैक, यह पतला है और अब गिरने वाला है

यह सुन कर अल्हाजी बैलू ने बड़े आश्चर्य से ऊपर देखा कि इतने में इस गीत के जवाब में एक आवाज नदी की तरफ से आयी —

क्वैक, ओ सिल्क के पेड़
क्वैक, ओ पेड़ के तने बड़े हो जाओ
क्वैक, ओ सिल्क के पेड़ खड़े रहना
क्वैक, ओ पेड़ के तने बड़े हो जाओ

यह एक जंगली बतख थी जिसने यह गीत गाया था। जैसे ही उसने यह गीत गाया पेड़ का तना अपने पुराने साइज़ जितना मोटा हो गया। वे आदमी जिन्होंने इतना समय लगा कर उसको काटा था उसको फिर से वैसा ही देख कर आश्चर्य में पड़ गये।

इस बार उन्होंने पहले से ज़्यादा पक्के इरादे से उस पेड़ को काटना शुरू कर दिया। पर जब वह पेड़ फिर से गिरने वाला था तो उस लड़के ने फिर से वही गीत गाया।

उस बतख ने भी जवाब में फिर से वही गीत गाया जो उसने पहले गाया था और वह पेड़ फिर से अपने पहले रूप में आ गया।

जब आदमियों ने कई बार कोशिश कर ली और वह पेड़ बार बार अपने पुराने साइज में आ जाता तो उन लोगों को विश्वास हो गया कि वे उस पेड़ को नहीं काट सकेंगे और उन्होंने उसको काटने की अपनी कोशिश छोड़ दी। उन्होंने यह सब जा कर सरदार को बताया।

अल्हाजी बैलू सरदार के सामने झुकते हुए बोला — "सरदार अमर रहे। हम लोग उस पेड़ को नहीं काट सके। जब भी हम उसको गिराने के करीब होते हैं तो वह लड़का कुछ गाता है और उसके जवाब में नदी में से एक बतख कुछ गाती है और बस वह पेड़ फिर से अपने पुराने रूप में आ जाता है।

हमने कई बार कोशिश कर ली पर हम उसको गिरा नहीं सके। और जैसा कि हमारे लोग कहते हैं कि "वह तो कोई पागल आदमी ही होगा जो वही काम बार बार करेगा जिसका नतीजा बार बार एक ही होता हो।"

यह सुन कर सरदार ने अपने डाक्टर को बुलाया और उसको उन आदमियों को कोई जादुई पाउडर देने को कहा। सरदार ने उनको आपस में भी दो हिस्सों में बॅट जाने को कहा।

उसने कहा कि जबकि एक समूह पेड़ को काटेगा तो दूसरा समूह नदी के ऊपर की तरफ जायेगा और नदी के पानी में वह जादू का पाउडर छिड़क देगा।

सो अगले दिन सुबह बहुत जल्दी ही उठ कर लोग अपना काम करने चल दिये। जब वे वहॉ पहुॅचे तो उन्होंने ऐसा ही किया जैसा कि सरदार ने उनसे करने के लिये कहा था।

पॉच आदमी पेड़ काटने में लग गये और दूसरे पॉच आदमी नदी के ऊपर की तरफ नदी के पानी को जहरीला बनाने के लिये चले गये। जैसे ही वह पेड़ गिरने को था कि उस लड़के ने फिर गाना शुरू किया —

क्वैक क्वैक, ओ मॉ बतख, यह तुम्हारा बच्चा है
क्वैक, यह सिल्क का पेड़ पतला होता जा रहा है
क्वैक, यह गिरने वाला है
क्वैक, यह पतला है और अब गिरने वाला है

यह गाना सुनते ही नदी के पास खड़े आदमियों ने वह पाउडर नदी के पानी में डाल दिया और बड़ी उत्सुकता से देखने लगे कि उस जादुई पाउडर का क्या असर होता है। तभी उस जंगली बतख ने बड़ी धीमी आवाज में धीरे से गाया —

क्वैक, ओ सिल्क के पेड़
क्वैक, ओ पेड़ के तने बड़े हो जाओ
क्वैक, ओ सिल्क के पेड़ खड़े रहना
क्वैक,....

अल्हाजी बैलू खुशी से चिल्लाता हुआ बोला — "लगता है कि वह बतख मर गयी है क्योंकि अब की बार उस पेड़ का थोड़ा सा ही हिस्सा अपने पुराने रूप में आया है। बस कुछ ही कुल्हाड़ी के वार और और फिर वह पेड़ नीचे गिर जायेगा।"

उन्होंने कुछ ही बार कुल्हाड़ी उस पेड़ में और मारी कि वह पेड़ गिर पड़ा और वहॉ खड़े लोगों ने उस लड़के को पकड़ लिया और उसे सरदार के पास ले गये।

सरदार ने फिर से गॉव वालों को बुलाया। बातें करने वाला ढोल फिर से बजाया गया।

जब वे सब वहॉ आ गये तो सरदार उनसे बोला — "हमारे गॉव की हर एक स्त्री यहॉ आये और बच्चे को देख कर यह बताये कि यह बच्चा उसका तो नहीं है। और देवता और खून की ताकत हमको उसकी असली मॉ की पहचान करायेगी।"

एक एक करके गॉव की सारी स्त्रियॉ बच्चे को देखने के लिये आयीं पर वह बच्चा किसी के पास नहीं गया। आखीर में बच्चे की असली मॉ की बारी आयी तो वह तुरन्त ही उसके पास दौड़ कर चला गया।

उसी समय वे बातें करने वाले ढोल भी बजने लगे। सारे गॉव वाले बहुत खुश थे कि बच्चे की असली मॉ मिल गयी थी।

सरदार बोला — "यह कैसी मॉ है कि इसने अपने बच्चे को फेंक दिया था।"

वह स्त्री बोली — "सरदार अमर रहे। मैंने अपने बच्चे को नहीं फेंका। मेरा बच्चा खो गया था पर अब वह मुझे मिल गया है। वह मर गया था पर अब वह ज़िन्दा है।"

क्योंकि यह किसी को पता नहीं चला कि वह बच्चा बतख के पास कैसे पहुँचा तो यह जानने के लिये पंडित[11] बुलाये गये। उन्होंने अपनी कौड़ियॉ[12] और समुद्र में से निकली सीपियॉ फेंक कर बताया कि उस स्त्री की सौत ने उस बच्चे को चोरी किया था और उसको ज़िन्दा ही गाड़ दिया था।

सरदार ने उस स्त्री की सौत को तुरन्त ही बन्दी बनाने का हुकुम दे दिया और उसके इस बुरे बरताव के लिये उसको सजा दी।

जहॉ तक उस बतख का सवाल है जब उस डाक्टर के उस जादुई पाउडर का असर खत्म हो गया तो वह अगले दिन ही अपने पैरों पर खड़ी हो गयी। वह उस लड़के के लिये और अपने सेमल के पेड़ के लिये पूरा दिन और पूरी रात रोयी।

पर लगता है कि उसके रोने ने उस पेड़ का जादू टूट चुका था। क्योंकि उस दिन के बाद से बतखों को पेड़ अच्छे नहीं लगते और वे अपने घोंसले जमीन पर ही बनाती हैं या फिर पानी पर तैरती हैं।

[11] Translated for the word "Diviners" – people who predict through divine means.
[12] Translated for the word "Cowries" – cowries are the sea shells – see their picture

3 केवल तुम्हारे कानों के लिये[13]

यह लोक कथा पश्चिमी अफ्रीका के नाइजर देश की लोक कथाओं से ली गयी है।

एक बार की बात है कि पश्चिमी अफ्रीका के नाइजर देश के एक गॉव में एक शिकारी रहता था। एक दिन उसने अपने तीर कमान से एक हिरन मारा।

यह लम्बी दौड़ उसको कई जंगलों और नदियों के पार ले गयी और इससे उसके तीर के जहर को असर करने में काफी समय लगा पर फिर भी वह अपना हिरन मार कर ले आया।

जब वह हिरन ले कर अपने घर वापस आ रहा था तो उसने रास्ते में एक बहुत ही मीठा गाना सुना जो नदी के पास के किसी जंगल में से आ रहा था —

आदमी तो जानवरों का राजा है
आदमी अपनी इच्छा उनके ऊपर थोपता है
वह आदमी नहीं है जिसके ऊपर जानवर राज करते हैं
जानवर अपनी इच्छा उसके ऊपर नहीं लाद सकते

[13] For Your Ears Only – a Fulani folktale from Niger, West Africa. Adapted from the Book : "The Orphan Girl and the Other Stories", by Offodile Buchi. 2001.
[A similar folktale is told and heard in a West African country Ghana also. It is given in my book "Ghana Ki Lok Kathayen" under the title "Gane Valee Maada Kachhua". The only difference is that in that folktale the female tortoise sings instead of a chameleon.]

यह सुन कर उसके मुॅह से निकला — "ओह कितनी मीठी आवाज है। कितने अच्छे तौर तरीके हैं। मैं ऐसी लड़की से शादी करने के लिये कुछ भी दे सकता हूॅ।"

जब यह गाना बन्द हो गया तो वह जंगल के उस कोने की तरफ चल दिया जहॉ से वह आवाज आ रही थी पर फिर रुक गया।

उसने सोचा अगर कहीं वह मत्स्यकन्या[14] हुई तो? इस जंगल में मत्स्यकन्याओं की ऐसी बहुत सी कहानियॉ सुनने को मिलती हैं। अच्छा तो यह है कि मैं अपने शिकार के साथ अपने घर ही चला जाऊॅ।

पर जैसे ही वह अपने घर जाने के लिये मुड़ा वह मीठी आवाज उसको फिर सुनायी दी।

आदमी तो जानवरों का राजा है
आदमी अपनी इच्छा उनके ऊपर थोपता है
वह आदमी नहीं है जिसके ऊपर जानवर राज करते हैं
जानवर अपनी इच्छा उसके ऊपर नहीं लाद सकते

अब उसका डर कुछ कम होता जा रहा था सो वह जंगल के किनारे की तरफ बढ़ा। फिर उसने जंगल के अन्दर की तरफ झॉका जिधर से गाने की आवाज आ रही थी।

[14] Translated for the word "Mermaid" – half fish and half woman – see her picture above

शिकारी का आश्चर्य तब और बढ़ गया जब उसने वहाँ एक नर गिरगिट को अपने गले में हार्प बाजा[15] लटकाये हुए देखा।

गिरगिट ने शिकारी से प्रार्थना की — "किसी से मेरे बारे में कुछ कहना नहीं। मैं यह संगीत केवल तुम्हारे लिये ही बजाऊँगा।"

यह सुन कर शिकारी तो चौंक गया क्योंकि उसने पहले कभी किसी गिरगिट को बोलते भी नहीं सुना था और इतना सुन्दर संगीत बजाते हुए सुनने का तो तो सवाल ही पैदा नहीं होता।

"एक गिरगिट? और वह भी मेरा अपना गिरगिट जो केवल मेरे लिये ही संगीत बजायेगा।" यह विचार ही उस शिकारी को खुश करने के लिये काफी था।

वह वहीं बैठ गया और गिरगिट से कहा कि वह उसके लिये कुछ और संगीत बजाये। जब गिरगिट अपना संगीत बजा चुका तो शिकारी ने अपना हिरन उठाया और अपने घर चला गया।

अब वह शिकारी उस जंगल में उस गिरगिट का गाना सुनने रोज जाता था। जिस दिन उसको कोई अच्छा शिकार मिलता तो गिरगिट का गाना उसको और भी ज़्यादा अच्छा लगता पर जब उसको शिकार नहीं मिलता तो उसको लगता कि उसका दिन पूरा बेकार नहीं गया। कम से कम उसने गिरगिट का गाना तो सुना।

[15] Harp is a western musical string instrument – see its picture above

कई बाजार हफ्तों[16] के बाद वह शिकारी उस भेद को न छिपा सका। उसको तो वह किसी न किसी को बताना ही था।

सो एक दिन उसने यह सब अपनी पत्नी से कहा तो वह बोली — "जाओ जी, कैसी बात करते हो? भला कोई गिरगिट भी संगीत बजा सकता है और गा सकता है?"

जब उसने अपने दोस्तों से कहा तो उनमें से एक बोला — "तुम पागल हो गये हो क्या? ऐसा गिरगिट कहाँ है?"

उसने जवाब दिया — "जंगल में।"

उसके दोस्तों ने कहा — "हम तुमसे शर्त लगाते हैं कि वह तो इतनी तेज़ भागता है कि तुम उसको पकड़ ही नहीं सकते। तुम उसका गाना कैसे सुनोगे? हा हा हा हा।" और वे सब इतनी ज़ोर से हँस पड़े कि उसको शरम महसूस होने लगी।

एक दूसरा दोस्त बोला — "तुम यह बात राजा से क्यों नहीं कहते। जब लोगों के पास कोई अजीब सी कहानी होती है तो वे उसे उसी के पास तो सुनाने के लिये जाते हैं। इस तरह केवल एक राजा ही ऐसी कहानियों को पक्का कर सकता है।"

उसका एक दूसरा दोस्त बोला — "पर अगर तुम झूठ बोल रहे होगे तो फिर तुमको अपनी जान भी गँवानी पड़ सकती है। देख लो।"

[16] Market weeks – in villages markets are normally organized daily or weekly, so market week may mean just a week.

शिकारी तो जानता था कि वह सच बोल रहा था और क्योंकि गिरगिट उसको बहुत प्यार करता था सो उसने सोचा कि वह उसको अपने आपको राजा को दिखाने भी देगा।

सो वह राजा को वह बताने चला जो गिरगिट ने उससे मना किया था और उसने देखा था। जब वह राजा के पास जा रहा था तो उसने सोचा कि वह कितना बड़ा आदमी था जो ऐसे गिरगिट का अकेला ही दोस्त था।

राजा के चौकीदार ने पूछा — "तुम्हें क्या चाहिये?"

शिकारी बोला — " मुझे राजा से एक बहुत जरूरी बात कहनी है।"

चौकीदार बोला — "राजा अपने दरबार में है और इस समय उनके दरबार के बीच में कोई दखल नहीं दे सकता। तुम मुझे बताओ मैं उनसे बाद में कह दूँगा।"

शिकारी बोला — "मैं एक ऐसी जगह जानता हूँ जहाँ राजा को एक ऐसा गिरगिट मिलेगा जो गाता भी है और हार्प भी बजाता है। वह अपने गाने में आदमी की बहुत बड़ाई करता है।"

चौकीदार बोला — "तुम या तो पागल हो गये हो और या फिर मजाक कर रहे हो। दोनों ही मामलों में तुमने मजाक के लिये एक गलत आदमी को चुना है। जाओ भाग जाओ यहाँ से।"

शिकारी बोला — "मगर मैं ठीक बोल रहा हूँ। मैं मजाक नहीं कर रहा।"

"तो फिर तुम यह बात राजा से अपने आप ही कह लेना।" कह कर वह चौकीदार उस शिकारी को राजा के दरबार में ले गया जहॉ वह अपने सलाहकारों के साथ कुछ सलाह कर रहा था।

"राजा अमर रहे। सरकार यहॉ एक आदमी है जो आपसे मिलने की जिद कर रहा है।" चौकीदार ने राजा से कहा।

राजा बोला "ठीक है उसको अन्दर भेजो।"

चौकीदार शिकारी को अन्दर ले कर आया तो शिकारी बोला — "राजा अमर रहे।"

राजा बोला — "मैं तुम्हारे लिये क्या कर सकता हूॅ मेरे बेटे?"

शिकारी बोला — "कई बाजार हफ्ते पहले मुझे एक गिरगिट मिला जो बहुत ही मीठा गाना गा रहा था। तबसे मैं उसको रोज गाते सुनता चला आ रहा हूॅ। तो मैंने सोचा कि मैं आपको भी बता दूॅ क्योंकि मैं यह बात अब बहुत दिनों तक छिपा कर नहीं रख सकता।"

राजा बोला — "क्या इसी वजह से तुमने मेरे दरबार में दखल डाला?"

शिकारी बोला — "नहीं सरकार। गिरगिट सचमुच में गाता है और उसने मुझसे बात भी की। क्या यह आपको आश्चर्यजनक नहीं लगा?"

राजा बोला — "हॉ सचमुच में ही यह बड़े आश्चर्य की बात है कि एक गिरगिट गाता है और बात भी करता है। कहॉ है यह गिरगिट?"

शिकारी बोला — "वह एक जंगल में बहुत अन्दर की तरफ जा कर है जहॉ मैं शिकार करने जाता हूँ। मैं उसको आपके दरबार में कल ले कर आऊँगा।"

राजा बोला — "नहीं, इसकी कोई जरूरत नहीं। मैं तुम्हारे साथ अपने चार बहुत अच्छे आदमी भेज दूँगा जो उस गिरगिट को ले आयेंगे। अगर ऐसा कोई गिरगिट है तो मैं तुमको बहुत मालामाल कर दूँगा। पर अगर वह नहीं है तो तुमको इस झूठ के लिये अपनी जान देनी पड़ेगी।"

शिकारी बोला — "मेरे सरकार, ऐसा ही हो।"

अगले दिन राजा ने अपने चार चौकीदार उसके साथ कर दिये। उसने अपने चौकीदारों को यह भी कह दिया कि अगर वह शिकारी झूठ बोल रहा हो तो वे उसको वहीं मार दें।

काफी चलने के बाद, यानी मुर्गे की पहली बॉग से ले कर जब तक सूरज सिर पर चढ़ आया तब तक, वह शिकारी और राजा के वे चार चौकीदार जंगल की उस जगह तक आ गये जहॉ वह गिरगिट रहता था।

शिकारी उन चौकीदारों को जंगल के उस कोने तक ले गया जहॉ गिरगिट रहता था। फिर उसने उस गिरगिट को उन चौकीदारों को दिखाने के लिये वहॉ की शाखाऐं आदि साफ कीं। यकीनन गिरगिट वहीं बैठा था और उसकी गरदन से वह हार्प भी लटक रहा था।

शिकारी खुशी से उन चौकीदारों से बोला — "देखा? मैंने तुमसे कहा था न?"

चौकीदार बोले — "वह तो हम भी देख रहे हैं कि यह गिरगिट यहॉ बैठा है पर न तो यह हार्प बजा रहा है, न ही यह गा रहा है और न ही यह बात कर रहा है।"

इस पर वह शिकारी गिरगिट से बोला — "ओ मेरे दोस्त, ये लोग राजा के पास से आये हैं और इस बात की जॉच करने के लिये आये हैं कि मैं तुम्हारे बारे में सच बोल रहा था या नहीं।

तुम हार्प पर कुछ बजाओ और इनके लिये कुछ गाओ ताकि ये लोग राजा से जा कर यह कह सकें कि मैं तुम्हारे बारे में सच बोल रहा था।"

गिरगिट वहीं चुपचाप बैठा रहा और इधर उधर देखता रहा। उसके गले से या उसके हार्प से कोई गीत नहीं निकला। यहॉ तक कि उसने अपने शरीर का कोई हिस्सा भी नहीं हिलाया।

चौकीदार शिकारी को समय देने के लिये बहुत धीरज से इन्तजार करते रहे कि वह शिकारी उससे या तो कोई गीत गवा सके या हार्प बजवा सके या कुछ बात करवा सके।

बहुत देर तक इन्तजार करने के बाद भी जब गिरगिट ने कुछ नहीं किया तो चौकीदारों का धीरज छूट गया। उनमें से एक बोला — "ऐसा लगता है कि यह इन्तजार अब काफी हो गया।"

यह सुन कर शिकारी ने गिरगिट से प्रार्थना की — "मेहरबानी करके मेरे दोस्त तुम गीत वीत को भूल जाओ, कम से कम कुछ बोल ही दो, चाहे कुछ भी बोलो।"

इस पर भी वह गिरगिट कुछ नहीं बोला। वह एक डाल पर बैठा था और किसमस की सजावट की तरह से वहीं बैठा रहा। शिकारी ने बड़ी नाउम्मीदी से गिरगिट की तरफ देखा। ऐसा लग रहा था कि जैसे उसकी दोस्ती की निगाह गिरगिट के लिये बिल्कुल ही अनजानी सी हो।

चौकीदारों का धीरज अब बिल्कुल ही छूट चुका था सो उन्होंने राजा का हुकुम मानते हुए उस शिकारी को मार दिया।

शिकारी को मार कर जैसे ही वे पलट कर घर जाने के लिये घूमे कि एक आवाज उनके पीछे से आयी।

गिरगिट बोला — "मैंने इसको यह सब किसी से न कहने के लिये कहा था पर यह नहीं माना।"

चौकीदार तो वहीं के वहीं जम गये। जैसे ही उन्होंने पीछे मुड़ कर देखा तो देखा कि गिरगिट अपना हार्प ठीक कर रहा था।

उनमें से एक चौकीदार बोला — "इसका मतलब यह है कि यह शिकारी ठीक कह रहा था।"

दूसरा बोला — "पर हमने तो अब उसको मार दिया।"

गिरगिट बोला — "वह अपनी मौत अपने आप ले कर आया था। उसने लालच में आ कर मेरा एक छोटा सा भेद खोल दिया। मैने उसको मना किया था कि वह मेरे बारे में किसी और से कुछ न कहे।

वह केवल इस बात से सन्तुष्ट नहीं था कि वह यहॉ आये और मुझे सुने। वह इस बात को दुनियॉ को बताना चाहता था ताकि वह अमीर और मशहूर हो जाये।"

चौकीदार तो यह सब देख सुन कर आश्चर्य में पड़ गये और घर भागे। जब वे भाग रहे थे उन्होंने गिरगिट को गाते सुना –

आदमी तो जानवरों का राजा है
आदमी अपनी इच्छा उनके ऊपर थोपता है
वह आदमी नहीं है जिसके ऊपर जानवर राज करते हैं
जानवर अपनी इच्छा उसके ऊपर नहीं लाद सकते

सोचो ज़रा कि जब वे घर पहुॅचे होंगे तो उन्होंने राजा से क्या कहा होगा?

यह कहानी हमको यह शिक्षा देती है कि अपने दोस्त के भेदों को कभी किसी पर खोलना नहीं चाहिये, खास करके जब जबकि उन्होंने मना किया हो।

4 तीन आश्चर्यजनक लड़के[17]

यह पश्चिमी अफ्रीका के सियरा लिओन देश की एक ऐसी कहानी है जिसे वहॉ के दादा लोग अपने पोते पोतियों को अक्सर आग के पास बैठ कर सुनाया करते हैं।

बहुत पुरानी बात है, कि एक आदमी के तीन आश्चर्यजनक बेटे थे। पहले बेटे की आश्चर्यजनक बात यह थी कि उसके कान बहुत तेज़ थे। अगर घास में कोई छोटे से छोटा कीड़ा भी चले तो उसके चलने की आवाज़ भी उसे सुनायी पड़ जाती थी।

उसके दूसरे बेटे की आश्चर्यजनक बात यह थी कि उसकी नजर बहुत तेज़ थी। वह रास्ते में एक मील दूर पड़ा एक छोटा सा दाना भी देख लेता था, या नदी के दूसरे किनारे पर खड़े केले के पेड़ पर भिनभिनाती मक्खियॉ भी साफ साफ देख सकता था।

और उसके तीसरे बेटे की आश्चर्यजनक खासियत यह थी कि वह जो देख लेता था वही गिन लेता था चाहे वे पेड़ की पत्तियॉ हों या आकाश के तारे।

अब हुआ यह कि एक दिन इन तीनों लड़कों ने अपने माता पिता से विदा ली और एक लम्बे सफर पर निकल पड़े। रास्ते में खाने के लिये उन्होंने अपने साथ एक बोरी बाजरा रख लिया।

[17] Three Wonderful Boys – a folktale of Sierra Leone, Western Africa

चलते चलते बीच में एक नदी पार करने की जरूरत पड़ी तो नदी पार करने के लिये उन्होंने एक नाव किराये पर ली। सॅभल कर वे नाव पर चढ़े, देखभाल कर उन्होंने अपना बाजरे का बोरा भी नाव पर चढ़ाया और नाविक ने नाव खे दी।

कुछ ही देर में पहला लड़का चिल्लाया — "ज़रा रुको, बाजरे का एक दाना नदी में गिर पड़ा है। मैंने अभी अभी उसके गिरने की आवाज सुनी है"।

इतनी देर में तीसरा लड़का जो बोरे की ओर देख रहा था बोला —"तुम ठीक कहते हो, मैंने इस बोरी के सारे दाने गिन लिये हैं। इनमें से वास्तव में एक दाना कम है। जल्दी करो, उस दाने को खोज कर लाओ। हम तब तक आगे नही बढ़ेंगे जब तक हमें वह दाना नहीं मिल जायेगा।"

इस पर दूसरा लड़का जो दूर की चीज़ साफ साफ देख सकता था बोला — "यह बिल्कुल ठीक कह रहा है, वह रहा वह दाना। मैं अभी जाता हूॅ और वह दाना ले कर आता हूॅ।" इतना कह कर वह नदी में कूद गया।

कुछ ही पल में वह दूसरा लड़का नदी से बाहर आ गया। उसके हाथ में बाजरे का एक दाना था।

वह बोला — "लो, यह रहा वह दाना। वाह, मेरे भाई ने कितना अच्छा किया जो उसके गिरने की आवाज सुन ली थी।" इतना कह कर उसने वह दाना बोरी में वापस रख दिया।

तीसरे लड़के ने कहा — "हॉ अब ठीक है। नाविक, अब तुम चल सकते हो। अब तुम हमें नदी के उस पार पहुँचा दो ताकि हम अपना सफर फिर से शुरू कर सकें।"

बच्चो, क्या तुम बता सकते हो कि इन तीनों में से कौन सा बेटा सबसे अधिक आश्चर्यजनक था? वह जो सुन सका, या वह जो देख सका, या फिर वह जो गिन सका?

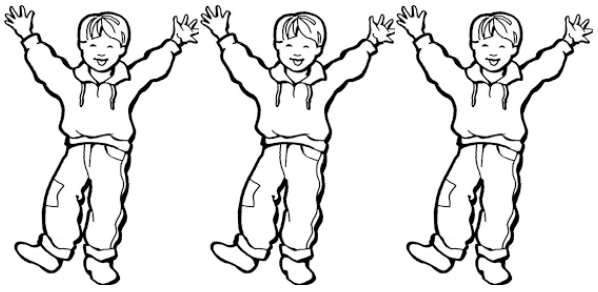

5 सबसे बड़ा चोर कौन[18]

यह लोक कथा भी पश्चिमी अफ्रीका के सियरा लिओन देश की लोक कथाओं से ली गयी है।

एक बार एक सरदार ने अपने राज्य में यह मुनादी पिटवा दी कि "हम अपने राज्य के लोगों के बारे में यह जानना चाहते हैं कि कौन आदमी क्या काम कर सकता है।

हमको इस बात से कोई मतलब नहीं है कि कोई क्या करता है। सबकी अपनी अपनी खासियत है, अच्छी है या बुरी है पर हमें अपने राज्य के लोगों की ये खास खासियत जाननी चाहिये ताकि हम को जब जरूरत पड़े तो हम उनकी उन खासियतों को इस्तेमाल कर सकें।"

सो गॉव के सारे लोग अपने काम के हिसाब से एक जगह इकट्ठा हो गये और अपना अपना काम लिखवाने लगे।

कुछ उनमें लोहा गलाने वाले थे, कुछ किसान थे, कुछ लकड़ी काटने वाले थे, कुछ बढ़ई थे, आदि आदि। उनमें कुछ झूठ बोलने वाले और कुछ चोर भी थे।

वहॉ उस गॉव के बाहर से पूर्व दिशा के एक गॉव से एक आदमी आया जिसको उसके गॉव वालों ने चोरी की वजह से निकाल

[18] Who is the Greatest Thief? – a folktale from Sierra Leone, West Africa.
Adapted from the book : "The Orphan Girl and the Other Stories", by Offodile Buchi. 2001

दिया था क्योंकि वह लोगों की उपज से ले कर उनकी चॉदी तक चोरी कर लेता था।

उसी समय उसी गॉव में एक और आदमी भी आया जो उस गॉव के बाहर से पश्चिम दिशा से आया था। वह भी अपने गॉव का मशहूर चोर था। जल्दी ही उन दोनों में अपने अपने काम को ले कर बहस शुरू हो गयी।

पूर्व दिशा वाला चोर बोला — "मुझसे ज़्यादा अच्छी तरीके से कोई नहीं चुरा सकता। मैं चोरी करने में इतना अच्छा हूॅ कि मैं तो सरदार से भी इतनी अच्छी तरह से चोरी कर सकता हूॅ कि न तो उसको और न ही उसके चौकीदारों को पता चलेगा।"

इस पर पश्चिम दिशा वाला बोला — "अगर तुम चोरी करने में इतने अच्छे हो तो तुमको तुम्हारे गॉव वालों ने क्यों निकाल दिया? मैं चोरी करने वालों में सबसे अच्छा हूॅ।"

पास में खड़ा एक आदमी बोला — "हम सभी अपने अपने गॉवों में अपने अपने कामों में सबसे अच्छा होने का दावा करते हैं। अगर तुमको लगता है कि तुम दूसरों से ज़्यादा अच्छे हो तो साबित करके दिखाओ।"

इस बीच में उन लोगों की बातें सुनने के लिये वहॉ कुछ भीड़ इकट्ठी हो गयी। उसी समय सरदार ने सब लोगों का ध्यान खींचा कि उसने उन सबको वहॉ क्यों बुलाया था।

पूर्व दिशा वाले चोर ने सरदार को इज़्ज़त से सलाम किया और दूसरे चोर की तरफ इशारा करके बोला — "सरदार अमर रहे। यह आदमी आपका समय बरबाद करने आया है। मैं सबसे अच्छा चोर हूँ और इसको आपको इसके गॉव वापस भेज देना चाहिये।"

सरदार ने दोनों चोरों की सफाइयॉ सुनीं कि उनमें से कौन अच्छा चोर था।

जब वे दोनों एक दूसरे की तरफ इशारा कर करके बातें कर रहे थे तो पूर्व के गॉव वाले चोर ने एक चील को एक बहुत ही ऊँचे पेड़ की चोटी पर बैठते देखा।

उसको लगा कि वह वहॉ अपने अंडों को सेने के लिये बैठी थी। वह बोला — "सरदार अमर रहे। इस मामले को हमेशा के लिये तय करने के लिये मैं उस पेड़ पर चढ़ जाऊँगा और उस चील के अंडे चुरा कर आपको ला कर दे दूँगा।"

सरदार बोला — "ठीक है। तुम लाओ उनको और मैं तुमको सबसे अच्छा चोर घोषित कर दूँगा।"

यह सुन कर वह पूर्व वाला चोर उस पेड़ की तरफ चल दिया जिस पर वह चील बैठी थी। वह बड़ी सावधानी से बिना कोई आवाज किये हुए उस पेड़ पर चढ़ा।

उसने एक एक करके उस चील के अंडे चुराये और अपनी जेब में रख लिये। चील को पता भी नहीं चला कि वह वहॉ था।

अंडे चुरा कर वह धीरे से और बिना कोई आवाज किये पेड़ से नीचे उतरा और नीचे आ कर बड़े घमंड से सरदार से बोला — "देखिये सरदार, मेरी जेब में देखिये। वहॉ उस चील के अंडे हैं जो मैंने उसके घोंसले से बड़ी चालाकी से चुराये हैं।"

सरदार बोला — "मुझे यकीन है कि तुम उनको चुरा लाये हो। अब तुम उनको मेरे और मेरे सलाहकारों के सामने दिखा दो ताकि मैं तुमको सबसे अच्छा चोर घोषित कर सकूँ।"

चोर ने वे अंडे निकालने के लिये अपनी जेब में हाथ डाला तो उसमें तो उसे अंडों की बजाय पत्थर के टुकड़े मिले। उसने सब जगह ढूँढ लिया पर उसको वे अंडे कहीं भी नहीं मिले।

चोर यह देख कर बड़ा शरमिन्दा हुआ। वह तो हैरान रह गया कि उसने तो अंडे चुराये थे फिर वे कहॉ गये।

सरदार गरजा — "तुमने अंडे चुराये भी थे या फिर तुम ऐसे ही शेखी बघार रहे हो? तुम क्या सोचते हो कि तुम हमको बेवकूफ बना लोगे?"

फिर उसने अपने आदमियों से कहा — "इस चोर को जंजीरों से बॉध दो। इसको हमें धोखा देने के जुर्म की सजा मिलनी ही चाहिये।"

सरदार उसको सजा देने ही वाला था पश्चिम के गॉव वाले चोर ने अपनी जेब में हाथ डाला और चील के अंडे निकाल कर उसके सामने रख दिये।

अंडे उसके सामने रखते हुए वह बोला — "ये रहे आपके चील के अंडे। मैंने ही इन अंडों को उसकी जेब से चोरी कर लिया था और इनकी जगह उसकी जेब में पत्थर के टुकड़े रख दिये थे।"

यह देख कर तो सरदार, उसके सलाहकार और आस पास खड़े सारे लोगों ने आश्चर्य से दाँतों तले उँगली दबा ली।

तुम लोग क्या सोचते हो कि उन दोनों में बड़ा चोर कौन था? वह जिसने चील के घोंसले में से अंडे चुराये या वह चोर जिसने पहले चोर की जेब से अंडे चुराये?

देश विदेश की लोक कथाओं की सीरीज़ में प्रकाशित पुस्तकें —

36 पुस्तकें www.Scribd.com/Sushma_gupta_1 पर उपलब्ध हैं।

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हिन्दी ब्रेल में संसार भर में उन सबको निःशुल्क उपलब्ध है जो हिन्दी ब्रेल पढ़ सकते हैं।
Write to :- E-Mail : hindifolktales@gmail.com
1 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–**1**
2 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–**2**
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–**1**
4 रैवन की लोक कथाऐं–**1**

नीचे लिखी हुई पुस्तकें ई–मीडियम पर सोसायटी औफ फौकलोर, लन्दन, यू के, के पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।
Write to :- E-Mail : thefolkloresociety@gmail.com
1 ज़ंज़ीबार की लोक कथाऐं — **10** लोक कथाऐं — सामान्य छापा, मोटा छापा दोनों में उपलब्ध
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–**1** — **45** लोक कथाऐं — सामान्य छापा, मोटा छापा दोनों में उपलब्ध

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हार्ड कापी में बाजार में उपलब्ध हैं।
To obtain them write to :- E-Mail drsapnag@yahoo.com
1 रैवन की लोक कथाऐं–**1** — इन्द्रा पब्लिशिंग हाउस
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–**1** — प्रभात प्रकाशन
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–**2** — प्रभात प्रकाशन

नीचे लिखी पुस्तकें रचनाकार डाट आर्ग पर मुफ्त उपलब्ध हैं जो टैक्स्ट टू स्पीच टैकनोलोजी के द्वारा दृष्टिबाधित लोगों द्वारा भी पढ़ी जा सकती हैं।
1 इथियोपिया की लोक कथाऐं–**1**
http://www.rachanakar.org/2017/08/1-27.html
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–**2**
http://www.rachanakar.org/2017/08/2-1.html
3 रैवन की लोक कथाऐं–**1**
http://www.rachanakar.org/2017/09/1-1.html
4 रैवन की लोक कथाऐं–**2**
http://www.rachanakar.org/2017/09/2-1.html
5 रैवन की लोक कथाऐं–**3**
http://www.rachanakar.org/2017/09/3-1-1.html
6 इटली की लोक कथाऐं–**1**
http://www.rachanakar.org/2017/09/1-1_30.html
7 इटली की लोक कथाऐं–**2**
http://www.rachanakar.org/2017/10/2-1.html

8 इटली की लोक कथाऐं–**3**
http://www.rachanakar.org/2017/10/3-1.html
9 इटली की लोक कथाऐं–**4**
http://www.rachanakar.org/2017/10/4-1.html
10 इटली की लोक कथाऐं–**5**
http://www.rachanakar.org/2017/10/5-1-italy-lokkatha-5-seb-wali-ladki.html
11 इटली की लोक कथाऐं–**6**
http://www.rachanakar.org/2017/11/6-1-italy-ki-lokkatha-billiyan.html
12 इटली की लोक कथाऐं–**7**
http://www.rachanakar.org/2017/11/7-1-italy-ki-lokkatha-kaitherine.html
12 इटली की लोक कथाऐं–**8**
http://www.rachanakar.org/2017/12/8-1-italy-ki-lokkatha-patthar-se-roti.html
13 इटली की लोक कथाऐं–**9**
http://www.rachanakar.org/2017/12/9-1-italy-ki-lok-katha-do-bahine.html
14 इटली की लोक कथाऐं–**10**
http://www.rachanakar.org/2017/12/10-1-italy-ki-lok-katha-teen-santre.html
15 ज़ंज़ीबार की लोक कथाऐं
http://www.rachanakar.org/2018/05/blog-post_54.html
16 चालाक ईकटोमी
http://www.rachanakar.org/2018/05/blog-post_88.html

नीचे लिखी पुस्तकें जुगरनौट डाट इन पर उपलब्ध हैं
https://www.juggernaut.in/authors/2a174f5d78c04264af63d44ed9735596
1 सोने की लीद करने वाला घोड़ा और अन्य अफ्रीकी लोक कथाऐं
2 असन्तुष्ट लड़की और अन्य अमेरिकी लोक कथाऐं
3 रैवन आग कैसे लेकर आया और अन्य अमेरिकी लोक कथाऐं
4 रैवन ने शादी की और अन्य अमेरिकी लोक कथाऐं
5 कौआ दिन लेकर आया और अन्य अमेरिकी लोक कथाऐं

Facebook Group
https://www.facebook.com/groups/hindifolktales/?ref=bookmarks

Updated on May 27, 2018

लेखिका के बारे में

सुषमा गुप्ता का जन्म उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में सन् **1943** में हुआ था। इन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से समाज शास्त्र और अर्थ शास्त्र में ऐम ए किया और फिर मेरठ विश्वविद्यालय से बी ऐड किया। **1976** में ये नाइजीरिया चली गयीं। वहाँ इन्होंने यूनिवर्सिटी औफ़ इबादान से लाइब्रेरी साइन्स में ऐम ऐल ऐस किया और एक थियोलोजीकल कौलिज में **10** वर्षों तक लाइब्रेरियन का कार्य किया।

वहाँ से फिर ये इथियोपिया चली गयीं और वहाँ एडिस अबाबा यूनिवर्सिटी के इन्स्टीट्यूट औफ़ इथियोपियन स्टडीज़ की लाइब्रेरी में **3** साल कार्य किया। तत्पश्चात इनको दक्षिणी अफ्रीका के एक देश लिसोठो के विश्वविद्यालय में इन्स्टीट्यूट औफ़ सदर्न अफ्रीकन स्टडीज़ में **1** साल कार्य करने का अवसर मिला। वहाँ से **1993** में ये यू ऐस ए आ गयीं जहाँ इन्होंने फिर से मास्टर औफ़ लाइब्रेरी ऐंड इनफौर्मेशन साइन्स किया। फिर **4** साल ओटोमोटिव इन्डस्ट्री एक्शन ग्रुप के पुस्तकालय में कार्य किया।

1998 में इन्होंने सेवा निवृत्ति ले ली और अपनी एक वेब साइट बनायी – www.sushmajee.com। तब से ये उसी वेब साइट पर काम कर रहीं हैं। उस वेब साइट में हिन्दू धर्म के साथ साथ बच्चों के लिये भी काफी सामग्री है।

भिन्न भिन्न देशों में रहने से इनको अपने कार्यकाल में वहाँ की बहुत सारी लोक कथाओं को जानने का अवसर मिला – कुछ पढ़ने से, कुछ लोगों से सुनने से और कुछ ऐसे साधनों से जो केवल इन्हीं को उपलब्ध थे। उन सबको देख कर इनको ऐसा लगा कि ये लोक कथाऐं हिन्दी जानने वाले बच्चों और हिन्दी में रिसर्च करने वालों को तो कभी उपलब्ध ही नहीं हो पायेंगी – हिन्दी की तो बात ही अलग है अंग्रेजी में भी नहीं मिल पायेंगीं।

इसलिये इन्होंने न्यूनतम हिन्दी पढ़ने वालों को ध्यान में रखते हुए उन लोक कथाओं को हिन्दी में लिखना प्रारम्भ किया। इन लोक कथाओं में अफ्रीका, एशिया और दक्षिणी अमेरिका के देशों की लोक कथाओं पर अधिक ध्यान दिया गया है पर उत्तरी अमेरिका और यूरोप के देशों की भी कुछ लोक कथाऐं सम्मिलित कर ली गयी हैं।

अभी तक **1200** से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी है। इनको "देश विदेश की लोक कथाऐं" क्रम में प्रकाशित करने का प्रयास किया जा रहा है। आशा है कि इस प्रकाशन के माध्यम से हम इन लोक कथाओं को जन जन तक पहुँचा सकेंगे।

विंडसर, कैनेडा
मई **2018**